बर्षः- 06
अंकः- 104
मुरादाबाद
(Monday)
03 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नशे का व्यापार दुश्मन देशों के आतंकी एजेंडे का हिस्सा, अखिलेश यादव का तंज, बोले- पीएम ने किया नशा मुक्त युवा अभियान का आगाज

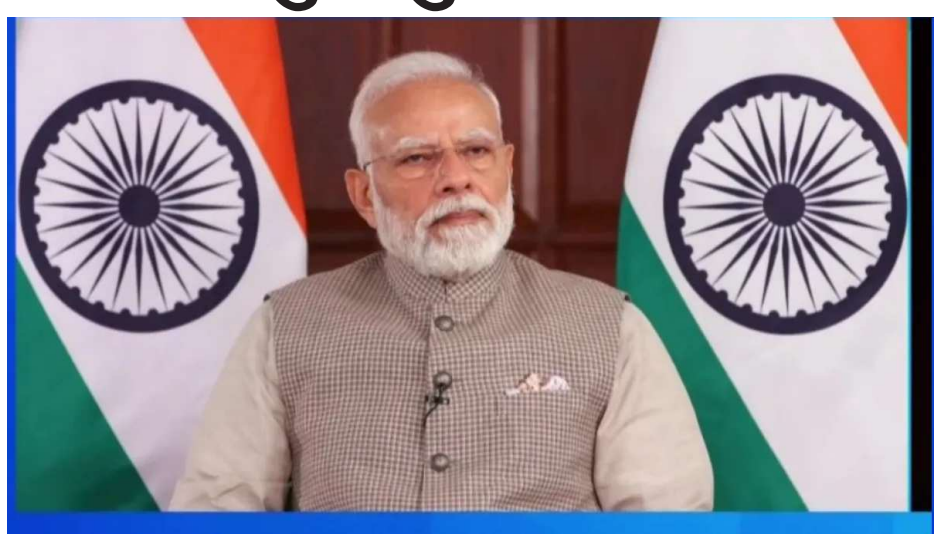

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर में युवाओं को नशे के खिलाफ संगठित करने के उद्देश्य से %नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान% की शुरुआत करेंगे। इस राष्ट्रव्यापी पहल के तहत लाखों युवा नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेंगे और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से %नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान% की शुरुआत की। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 28 हजार से ज्यादा जगहों से जुड़े मेरे एक करोड़ से ज्यादा युवा साथियों का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आज हम सभी जिस अभियान के साक्षी बन रहे हैं, वह अभियान व्यक्ति के लिए है, परिवार के लिए है, समाज के लिए भी है और सबसे बड़ी बात है ये राष्ट्र के लिए है। विकसित भारत संकल्प अभियान के लिए नशामुक्त युवा, इस मूवमेंट का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है।पीएम मोदी ने कहा कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के आतंकवादी एजेंडे का हिस्सा बताया। पीएम मोदी ने कहा, आज जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तो इसके लिए जरूरी है देश का युवा तन-मन से स्वस्थ हो और आत्मविश्वास से भरपूर हो। इसके साथ ही ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा दूर ही रहे। यही इस अभियान का उद्देश्य है। हम सबको ये संकल्प लेना है कि हमारे युवा नशे और ड्रग्स के खतरों को समझें और हर तरह से जागरूक रहें।

नशा मुक्त युवा को सामूहिक अभियान बनाने पर दिया जोर- प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, कुछ काम ऐसे होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से कोई प्रयास करे तो कभी-कभी निराश हो जाता है, थकान महसूस करता है, लंबी दूरी चलने में मन तैयार नहीं होता है, लेकिन जब सामूहिक अभियान बन जाता है और कंधे से कंधा मिलाकर करोड़ों लोग चल पड़ते हैं तो ऐसे सभी जो व्यक्तिगत रूप से अपने आप नहीं कर पाते हैं, उनको भी एक ऊर्जा मिल जाती है। आज उस ताकत को लेकर ये अभियान हर युवा मन को छूने वाला है। उन्होंने कहा, आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। आज हजारों स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लाखों विद्यार्थी इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े हैं। समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत, ये नशे के खिलाफ हमारे अन्तर्मन को ताकत देते हैं। और आज तो हमारे पास नशा छोड़ने के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर जैसी सुविधाएं भी हैं। पीएम ने कहा, ड्रग्स के खिलाफ अभियान में आज सरकार भी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। देश में नशे के कारोबारियों और नशे पर सख्ती से कार्रवाई हो रही है, पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं, हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं। ये दिखाता है कि ड्रग्स के खिलाफ हमारी सरकार कितनी सख्त- है। आने वाले 100 रविवार, नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 कदम = पीएम मोदी- पीएम मोदी ने आगे कहा, आप भारत की अमृतपीढ़ी हैं। आप अगले 20-25 वर्षों में अपने जीवन को दिशा देंगे और आप ही 2047 में देश को विकसित भारत की मंजिल तक लेकर जाएंगे और उसके शिखर पर आप ही बैठे होंगे। उसका सारा रसपान करने का अवसर आप ही को मिलने वाला है। देश को आपकी ऊर्जा, आपकी कल्पना शक्ति और आपकी टैलेंट की जरूरत है, इसलिए देश के लिए और अपने जीवन के लिए खुद को नशामुक्त रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, मेरा आप सभी से आग्रह है, आप सब इस बड़े मूवमेंट के लीडर हैं। आपने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया है कि भारत का युवा कितना जागरूक है, कितना समझदार है और अपने कर्तव्यों के प्रति कितना गंभीर है। मैं आप सभी को इस अभियान के लिए अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। अगर कोई युवा गलती से नशे में फंस भी गया है तो इसका ये मतलब बिल्कुल नहीं है कि उसके सारे रास्ते बंद हो गए हैं! हमें हमेशा इस बात का ध्यान रखना है, घर का कोई बच्चा अगर नशे का शिकार बन गया है, तो इसे सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में छिपाएं नहीं। जिसकी जरूरत हो, उसका सहयोग लें। मेडिकल हेल्प से अपने बच्चे को नशे से मुक्त कराने का प्रयास करें। हमें परिवार में बच्चों से खुलकर संवाद की संस्कृति भी बनानी चाहिए ताकि ऐसे भंवर में फंसने से पहले ही आप उसका हाथ थाम सकें।

संक्षिप्त समाचार

भारत अब लोकतंत्र नहीं रहा': मनीष तिवारी का दावा, बोले- संसद सत्ता का अखाड़ा बनी

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के अनुसार भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं बेअसर हो चुकी हैं। संसद चर्चा का मंच बनने के बजाय सत्ता संघर्ष का मैदान बन गई है। घटते कामकाज को देखते हुए उन्होंने देश के संवैधानिक ढांचे में बड़े सुधार की मांग की है।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर संसद और दूसरी विधायी संस्थाओं को संविधान के मुताबिक अपना काम ठीक से करना है, तो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बुनियादी बदलाव करने होंगे। उनका दावा है कि आज भारत वास्तविक अर्थों में लोकतंत्र नहीं रह गया है, क्योंकि जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थाएं धीरे-धीरे कमजोर होती गई हैं। %संसद सत्ता हासिल करने का अखाड़ा बन गई- मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि संसद और दूसरी विधायी संस्थाओं का काम कानून बनाना और सरकार को जवाबदेह बनाना है। लेकिन अगर ये संस्थाएं केवल कार्यपालिका की सत्ता हासिल करने का माध्यम बनकर रह जाएंगी, तो नैतिक, राजनीतिक और सांविधानिक स्तर पर गिरावट लगातार बढ़ती जाएगी। तब से लगातार जारी है। लोकसभा के कामकाज के आंकड़े भी गिनाए- कांग्रेस सांसद ने संसद के कामकाज के आंकड़े भी साझा किए। उन्होंने बताया कि पहली लोकसभा (1952-57) हर साल औसतन 135 दिन बैठती थी।

सिर्फ चार दिन की सरकार बची है इसलिए विधानसभा सत्र भी चार दिन का हो रहा है

सोमवार से शुरू हो रहे यूपी विधानमंडल सत्र के पहले मीडिया को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार विधानसभा सत्र को आयोजित करने की सिर्फ औपचारिकता निभा रही है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार से शुरू हो रहे यूपी विधानसभा सत्र को लेकर कहा कि भाजपा सरकार अब सिर्फ चार दिन की ही बची है इसलिए विधानसभा सत्र भी सिर्फ चार दिन के लिए ही आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहला दिन भाजपा सरकार श्रद्धांजलि देने में निकाल देगी। दूसरा दिन अयोध्या के प्रभु राम जी के मंदिर में हुई सुनियोजित चोरी के महापाप की जिम्मेदारी, अपने ऊपर से हटाकर केंद्र सरकार पर डालकर, अपना पल्ला झाड़ने में निकाल देगी। तीसरा दिन प्रयागराज जैसे पूरे प्रदेश में हुए छात्र आंदोलन से बचने में निकाल देगी। चौथा दिन दुखी मां के सरेआम अपमान पर मुंह छिपाकर जल्दी से सत्र खत्म करने की घोषणा करने में निकाल देगी।लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सत्र की कार्यवाही के दौरान सपा विधायक बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगेंगे। एक्सप्रेस-वे और बिजली दरों का मुद्दा उठाया जाएगा। हम राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मुद्दा भी उठाएंगे। उन्होंने जौहर विश्वविद्यालय को ढहाने को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि 2027 में सपा की सरकार बनी तो बेहतर जेपीएनआईसी बनाएंगे।उन्होंने कहा कि सच तो ये है कि अब भाजपा को भी मालूम है कि वो फिर कभी सरकार में वापस नहीं आएंगे, इसीलिए विधानसभा को महत्व नहीं दे रहे हैं बस सत्र आयोजित करने की औपचारिकता निभा रहे हैं। भाजपा की चलाचली की बेला का मानसून सत्र भी चलाचली टाइप का सत्र है। अब भाजपा जाएगी, फिर कभी न आएगी!26 हजार स्कूल बंद होने से सर्वाधिक प्रभावित होंगे पीडीए समाज के बच्चे- अखिलेश यादव ने पीडीए ऑडिट- 4 जारी करते हुए कहा कि कहा कि प्रदेश में 26 हजार सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। इन स्कूलों के बंद होने से पिछड़े, दलित और आदिवासी समाज के बच्चे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। कहा कि स्कूलों के मर्जर से 28 लाख बच्चों का नामांकन घट गया है। सरकार ने सरकारी नौकरियां खत्म कर दी हैं। स्कूलों में 62 हजार से ज्यादा शिक्षकों की संख्या घटी है। वहीं, 81 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद खाली हैं। सरकार नई भर्तियां नहीं कर रही हैं।

कंगना रनौत की टिप्पणी पर भड़के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सरकार से की कार्रवाई की मांग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा और केंद्र सरकार पर दोहरे चरित्र का आरोप लगाया। अजय राय ने भाजपा सांसद कंगना रनौत की टिप्पणी की निंदा की। कहा कि कंगना पर कार्रवाई की जाए।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिर्फ वीडियो जारी कर माफी मांग लेने से काम नहीं चलेगा। भाजपा सांसद अभिनेत्री कंगना रनौत ने युवाओं की तुलना गटर से की और बेटियों के चरित्र पर टिप्पणी कर उनकी भावनाओं को आहत किया है। अजय राय ने मांग की कि कंगना के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पद से हटाया जाए और उनकी सदस्यता समाप्त की जाए। शाहजहांपुर में शनिवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल होने आए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने हाल की घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि एक ओर सरकार माफी मांगने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर युवाओं को चिह्नित कर पुलिस कार्रवाई की जा रही है। इसे उन्होंने सरकार का दोहरा चरित्र बताया।कहा- संविधान खतरे में है प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को पैसे देकर सभाओं में लाती है। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान खतरे में है तथा महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में सरकार संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। कांग्रेस इन मुद्दों को जनता के बीच प्रमुखता से उठाती रहेगी

कुशवाह समाज इधर-उधर गुलाटी मारता रहा...: विस अध्यक्ष नरेंद्र तोमर के बयान पर मचा सियासी बवालः कांग्रेस ने घेरा

मुरैना में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की कुशवाह समाज पर की गई टिप्पणी से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने बयान को संदर्भ से जोड़कर सफाई दी, जबकि कांग्रेस और सामाजिक संगठनों ने इसे समाज का अपमान बताते हुए माफी की मांग की।मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। मुरैना में भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा कि भाजपा हमेशा समाज के प्रति समर्पित रही है, लेकिन कुशवाह समाज बीच-बीच में इधर-उधर गुलाटी मारता रहा, इसलिए उसकी विश्वसनीयता खंडित हुई।तोमर का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ण देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखी, इसलिए उन्हें तीन बार विधायक बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता संगठन के प्रति समर्पित रहता है, उसे जीवनभर सम्मान मिलता है और निधन के बाद भी उसकी पहचान बनी रहती है।बयान पर विवाद बढ़ने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष का आशय पूरे कुशवाह समाज से नहीं था, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण का संदेश देना था। उनके अनुसार, पार्टी में सम्मान और जिम्मेदारी उन्हीं कार्यकर्ताओं को मिलती है जो संगठन के प्रति ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते हैं। वहीं, कांग्रेस ने इस बयान को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है।

मायावती ने संगठन में किया बड़ा फेरबदल, इन्हें दी बड़ी जिम्मेदारी; समधी अशोक और रणधीर बसपा से निष्कासित

पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ और रणधीर बेनीवाल को बसपा से निष्कासित कर दिया गया है।

अशोक सिद्धार्थ पर अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने समधी यानी आकाश आनंद के ससुर एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ और पार्टी नेता रणधीर सिंह बेनीवाल को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। साथ ही स्पष्ट किया है कि भविष्य में किसी भी स्थिति में अब दोनों की पार्टी में वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं पर अनुशासनहीनता और पार्टी के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के आरोप लगातार सामने आ रहे थे। मायावती ने रविवार को एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि अशोक सिद्धार्थ को पहले महाराष्ट्र में पार्टी की जिम्मेदारी निभाने के दौरान तालमेल की कमी और अनुशासनहीनता के कारण हटाया गया था। बाद में उन्हें दोबारा मौका देते हुए यूपी के बजाय अन्य राज्यों में संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन, वहां भी उन्होंने अपेक्षित ढंग से कार्य नहीं किया।तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित- उन्होंने कहा कि कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में कोऑर्डिनेटर रहते हुए भी अशोक सिद्धार्थ के खिलाफ लगातार शिकायतें मिलती रहीं। कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद सुधार नहीं होने पर उन्हें पहले सभी जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया। अब तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।मायावती ने आगे कहा कि अशोक सिद्धार्थ के उत्तर प्रदेश में दोबारा सक्रिय होने संबंधी खबरें पूरी तरह भ्रामक हैं। उनका उद्देश्य आगामी यूपी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम फैलाना और संगठन को नुकसान पहुंचाना है। उन्होंने साफ कहा कि अशोक सिद्धार्थ की अब पार्टी में कभी वापसी नहीं होगी। रणधीर सिंह बेनीवाल पर भी कार्रवाई-बसपा सुप्रीमो ने रणधीर सिंह बेनीवाल पर भी कार्रवाई की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि उन्हें पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में संगठन की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके खिलाफ भी अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। ऐसे में उन्हें भी सभी जिम्मेदारियों से हटाते हुए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। रामजी गौतम फिर बने पंजाब के प्रभारी- इसके अलावा बसपा सुप्रीमो ने राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को पुनः पंजाब का प्रभारी बनाया है। वह अन्य राज्यों के साथ पंजाब में भी आगामी विधानसभा चुनाव तक संगठन की जिम्मेदारी निभाएंगे।

संपादकीय Editorial

A Pointless Parliamentary Debate

The Lok Sabha debate on the amended paper leak bill continued on Wednesday. The House debated for nine hours, late into the night, and political mudslinging continued without concrete suggestions. Any response from the Prime Minister, Home Minister, or new Education Minister at the conclusion of the debate will be political, so we will analyze it later. Ironically, the paper leak, education reforms, examination system reforms, and India's education system as a whole were debated on the highest, democratic platform of Parliament, yet not a single MP offered a suggestion on how changes could be made. Congress continued to criticize the BJP, the Samajwadi Party and the remnant Trinamool Congress also declared the BJP-NDA government a failure. Irrelevant, provocative situations like terrorism and the Emergency were also mentioned. Professor, Director of IIT Madras and a renowned scholar in his field, said, "I am not a fool." Kamkoti was labeled a "cow urine expert," but no one suggested how to control the paper leak and its mafia spread across the states. Some MPs may be exceptions, but they are like a "crowd in a drum factory!" In short, we consider this debate "meaningless." We believe that the paper leak is not a fundamental concern of any political party, but they are certainly actively pursuing a strategy to launch political attacks on the current Modi government and the BJP, hiding behind the youth and student movement. BJP MPs were also busy labeling Congress governments from Jawaharlal Nehru to Dr. Manmohan Singh as "useless" and "anti-education." In reality, the paper leak issue alone doesn't win votes, but the country's youth power is so vast that it can shake the foundations of any government and bring anyone to power. Not a single MP presented the "dark, half-truth" reality of our education system in Parliament: that we are a country producing unemployed graduates with paper degrees. In fact, the Indian education system is based on rote learning, intense competition, and a blind pursuit of numbers, rather than knowledge and skills. As a result, the number of graduates in the country has increased 13-fold, but the number of unemployed has also increased 16-fold. Approximately 322 million young people aged 15-29 are still unemployed. Is this considered a "demographic dividend"? Why would MPs be concerned about those unemployed? They are hardly their family members! Not a single MP mentioned that the national unemployment rate is rising beyond 16.2%. Approximately 69% of the country's population is in the 15-64 age group. This age group is generally considered to be of working age, yet work, employment, and jobs are simply not available. Government jobs are available to only 4-5% of people, while 95-96% of jobs are in the private, unorganized sector. Salaries, wages, and the value of work are deeply unbalanced, forcing hordes of young people to join the blind race for government jobs. Unable to secure a government job or approaching age, young people resort to suicide or resort to crime. Were these realities raised during parliamentary debates? Shouldn't these aspects have been discussed? Surprisingly, the unemployment rate is highest in Kerala, the most literate state, at 18.2 percent. Telangana, also a Congress-ruled state, also has an unemployment rate close to 18 percent. Kejriwal's AAP government in Punjab claims to be an education-reformist party, but the unemployment rate there is close to 17 percent, and even in a technology-rich state like Andhra Pradesh, unemployment is 16.2 percent. We may study, pass NEET, graduate, or even graduate, but where are the employment opportunities?

Leaderless Public Anger: A New Political Picture in a Changing Era

India has a rich history of movements. Almost every major mass movement, from the freedom struggle, the JP movement, the Mandal movement, the Ram Mandir movement, the anti-corruption campaign, and the farmers' movements, had a clear leadership and organization. Indian politics is going through a phase where the information revolution has transformed the traditional form of public opinion formation and political participation. Despite electoral success, strong organization, and resources, no political party can completely control public sentiment.

Recent spontaneous youth movements have demonstrated that millions of people can unite on an issue even without an established leader, organization, or party. Social media has made every citizen an active carrier of public opinion. This changing landscape signals to all political parties that the new generation of politics will be based on dialogue, transparency, and quick public contact.

A New Era of Leaderless Movements - India has a rich history of movements. Almost every major mass movement, from the freedom struggle, the JP movement, the Mandal movement, the Ram Mandir movement, the anti-corruption campaign, and the farmers' movements, had a clear leadership and organization. Governments used to communicate with such movements through representatives. Today, the situation has changed. Digital technology and the internet have completely transformed the nature of public relations. Now, people across the country can connect with each other on a single issue without any central leadership. It is no longer as easy as before to dismiss such movements as a political party movement or to blunt their edge by targeting a single leader.

The real causes of youth unrest: The recent protests cannot be limited to a single exam, recruitment, or administrative decision. They reflect broader concerns among youth. Limited employment opportunities, allegations of irregularities in competitive exams, delays in appointments, increasing competition, and a sense of insecurity about the future are fueling discontent among youth.

India is among the youngest countries in the world. This youth power is the country's greatest asset, but if the gap between their aspirations and available opportunities widens, it is natural to impact politics, the economy, and social stability. Today's youth seek opportunities, transparency, and results, not just speeches.

Why is the challenge facing the BJP different? The BJP's greatest strength is considered to be its strong organization, active workers down to the booth level, and effective election management. However, when the opposition emerges in the form of spontaneous social discontent rather than from an opposition party, the nature of the challenge changes. Such movements lack a single face of protest. Therefore, it is difficult to completely dismiss them as an opposition conspiracy. The government faces the challenge of maintaining law and order while also maintaining public trust. In a democracy, public trust is any government's greatest political asset. The path is not easy for the opposition either: these movements certainly provide political opportunities, but they do not automatically assume their natural leadership. If the opposition appears to stand with these movements, it may gain political advantage, but if it attempts to fully transform them into its own political campaign, the movement's credibility may be compromised. This new political landscape demands more mature and sensitive politics from both the ruling party and the opposition.

The Information Revolution Has Changed the Rules of Politics - One of the biggest revolutions of the twenty-first century is the information revolution. The internet, smartphones, and digital communication have completely democratized the flow of information. While the responsibility of shaping public opinion once rested primarily on mainstream media like newspapers, radio, and television, the world of information has now completely transformed.

It's no secret that mainstream media has been accused of political, economic, or commercial pressures and inducements from time to time. Whether these accusations are true or false, the information revolution has now provided an alternative platform that is almost impossible to completely control. Today, almost every smartphone holder is a potential "citizen reporter."

A person present at the scene can present photos, videos, and firsthand experiences to the world in a matter of moments. This is why completely suppressing an incident or establishing only one side of the story has become much more difficult than before.

However, it is equally true that social media can also become a medium for disinformation, propaganda, and rumors. Therefore, in this era of the information revolution, the responsibility of citizens, media institutions, and the government—all three—increases to prioritize the veracity and reliability of information.

Electoral discourse is changing - Indian politics has long revolved around issues based on caste, religion, region, and identity. These topics remain important today, but issues like employment, education, the examination system, administrative transparency, corruption, good governance, and equality of opportunity are increasingly becoming central to electoral discourse.

Young voters, in particular, want to evaluate governments based on their performance, not just slogans. This change in democracy can be considered a healthy sign. Importance of dialogue in democracy - Protests in democracy are not a weakness of the system, Rather, they are evidence of its vitality. If protests are peaceful and within constitutional limits, they should be considered a natural expression of democratic consciousness. Such movements are not only a challenge for governments, but also an opportunity to understand the genuine concerns of the people. Timely dialogue, transparency, and sensitive decisions can avert many political crises.

Nothing is permanent in politics - The history of Indian politics shows that no political party has remained permanently invincible. Sometimes governments considered invincible have lost power, and sometimes marginalized parties have made unexpected comebacks. The change of power in 1977, the political change in 1989, the unprecedented rise of the BJP in 2014, and the periodic changes in power in various states confirm the fact that in a democracy, when public opinion changes, political equations also shift rapidly. Political 'miracles' are not impossible in a democracy. In fact, change is an eternal law of nature, and democracy is the most powerful medium for that change. Therefore, no political party should harbor the misconception that its popularity or political dominance will remain forever. The ruling party should not believe that it faces no challenges, and the opposition should also not harbor the illusion that an anti-incumbency environment will automatically propel it to power.

The people are the ultimate arbiters of democracy - Current developments indicate that Indian politics has entered a new transitional period. The information revolution, social media, aware young voters, and rapidly changing public sentiments have begun to alter the old political equations. Organization, resources, and electoral management alone will no longer suffice. Good governance, transparency, accountability, and sensitivity to public aspirations will be the true strength of any political party.

It would be premature to say whether the recent leaderless movements will change the course of Indian politics, but it is certain that they have sent a clear message to both the ruling party and the opposition. In a democracy, the final decision rests not with any political party, any leader, any media institution, or any digital platform, but with the people. When the public decides to change, even long-established political notions are transformed.This is the greatest strength of Indian democracy and its most beautiful feature. Therefore, all political parties will have to remove their misunderstandings in time and understand the changing psychology of the public, because if there is anything permanent in democracy, it is only change.

मुरादाबाद में बैंककर्मी युवती ने की खुदकुशी, कई घंटे फंदे पर लटका रहा शव

मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में एक्सिस बैंक की एक महिला कर्मचारी प्रतिभा राणा ने अपने किराये के मकान में फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोबाइल फोन जब्त कर लिया है ताकि खुदकुशी के कारणों का पता लगाया जा सके।एक्सिस बैंक कर्मचारी प्रतिभा राणा ने की आत्महत्या। मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में किराये के मकान में। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर जांच शुरू की। सिविल लाइंस क्षेत्र में किराये के मकान में रहने वाली बैंककर्मी युवती ने शनिवार दोपहर कमरे में फंदे पर लटककर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को फंदे से उतारा। जानकारी पर स्वजन पहुंच गए। युवती ने खुदकुशी क्यों की इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने युवती का मोबाइल कब्जे में ले लिया है। अमरोहा कोतवाली क्षेत्र के सुबोध नगर निवासी राजेंद्र राणा की बेटी प्रतिभा राणा एक्सिस बैंक हरथला में कर्मचारी थी। वह इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में एक किराये के मकान में करीब डेढ़ साल से रहती थी। रात में किसी वक्त बैंककर्मी ने फंदे पर लटककर खुदकुशी कर ली।

कमरे में कूलर चल रहा था। दोपहर तक कमरे से बाहर नहीं आई युवती तो मकान स्वामी ने दी पुलिस को सूचना- रोजाना की तरह वह जब शनिवार सुबह बैंक नहीं गई तो अन्य किरायेदारों ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

जब वह दोपहर तक भी बाहर नहीं आई तो किरायेदारों ने मकान स्वामी दीपक को बुला लिया।

इसके बाद कमरे में लगे रोशनदान से देखा तो प्रतिभा फंदे पर लटकी हुई थी। यह देख उनकी चीख निकल गई। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग पहुंच गए। पुलिस को बुला लिया गया। पुलिस ने दरवाजा युवती के शव को फंदे से उतारा।

फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई। मोबाइल नंबर की सीडीआर निकलवाकर पुलिस पता लगाएगी खुदकुशी करने का कारण- पुलिस ने मामले की जानकारी युवती के स्वजन को दी। वह भी पहुंच गए। युवती ने पिता ने बताया कि बेटी ने हमसे किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं बताई थी। फोन पर रोजाना बात होती थी।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि युवती ने खुदकुशी क्यों की है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मोबाइल को कब्जे में ले लिया है। मोबाइल की नंबर की सीडीआर निकलवाई जाएगी।

जेई-एसडीओ नहीं सुनते हैं तो हमें बताइए, उनका इलाज हम करेंगे, बिजली विभाग की बैठक में अफसरों पर बरसीं मंत्री गुलाब देवी

बिजली व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा के लिए शनिवार को आयोजित जिला विद्युत समिति की बैठक संभल जिले में बिजली व्यवस्था की बैठक में जनप्रतिनिधियों का गुस्सा फूट पड़ा। राज्य मंत्री गुलाब देवी और सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने अधिकारियों की सुस्त कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई। मंत्री ने जेई-एसडीओ को सख्त चेतावनी दी है। जनपद में बिजली व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा के लिए शनिवार को आयोजित जिला विद्युत समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों का गुस्सा बिजली अधिकारियों पर फूट पड़ा। उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी समेत विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई। जनप्रतिनिधियों का साफ कहना था कि क्षेत्र में होने वाले कार्यों की जानकारी उन्हें नहीं दी जाती और जनता से जुड़े प्रस्तावों पर विभाग सुस्त रवैया अपना रहा है।

लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की अध्यक्षता में यह बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट और अधीक्षण अभियंता हिमांशु वार्ष्णेय समेत कई बिजली अधिकारी मौजूद रहे। उनका इलाज हम करेंगे- मंत्री गुलाब देवी की सख्त चेतावनी-बैठक के दौरान नए बिजली कनेक्शन, क्षमता वृद्धि, जर्जर लाइनों और किसानों को आपूर्ति जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। छोटे-छोटे कार्यों में हो रही अनावश्यक देरी पर भड़कते हुए माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी ने सख्त लहजे में कहा, यदि किसी क्षेत्र में जेई या एसडीओ जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुन रहे हैं तो इसकी जानकारी सीधे मुझे दी जाए। जेई-एसडीओ नहीं सुनते हैं तो हमें बताइए, उनका इलाज हम करेंगे।

मंत्री ने चंदौसी शहर की गणेश कॉलोनी में लकड़ी के बांसों पर लटक रहे बिजली के तारों का मुद्दा उठाते हुए इसे गंभीर सुरक्षा खतरा बताया और अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, विभाग को सरकार के विकास कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना चाहिए।सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने मांगा लिखित जवाब- बैठक की अध्यक्षता कर रहे सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने भी विभाग की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से बिजली विभाग के कार्यों की गति काफी धीमी हो गई है। सांसद ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों को नियमित रूप से लिखित जानकारी दी जाए कि कौन से कार्य पूरे हो चुके हैं और कौन से प्रस्तावित हैं। उन्होंने नए कनेक्शन और लोड बढ़ाने की प्रक्रिया में हो रही देरी पर चिंता जताते हुए जनता के सुझावों को प्राथमिकता देने की बात कही। विधायकों ने भी उठाए स्थानीय मुद्दे- बैठक में अन्य विधायकों और उनके प्रतिनिधियों ने भी स्थानीय बिजली समस्याओं को प्रमुखता से रखा- संभल विधानसभा- विधायक इकबाल महमूद के पुत्र सुहैल इकबाल ने शिकायत की कि बिजली विभाग की योजनाओं और कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को समय पर उपलब्ध नहीं कराई जाती है। असमोली विधानसभा- विधायक पिंकी यादव के प्रतिनिधि ने किसानों को उनके हिस्से की पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिलने का अहम मुद्दा उठाया। गुन्नौर विधानसभा- विधायक राम खिलाड़ी यादव ने अपने क्षेत्र में बड़े ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, जर्जर तारों को बदलने और विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने की मांग की। जनप्रतिनिधियों के कड़े रुख के बाद अधिकारियों ने लंबित कार्यों के जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया है।

प्रशासन की त्वरित सक्रियता से मोमबत्ती फैक्ट्री में लगी आग पर समय रहते पाया गया काबू, कोई जनहानि नहीं

थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के बुध बाजार स्थित कुटिया वाली गली में संचालित एक मोमबत्ती फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात आग लगने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस एवं अग्निशमन विभाग ने तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। प्रशासन की त्वरित सक्रियता, बेहतर समन्वय और लगातार चले संयुक्त अभियान के परिणामस्वरूप आग पर सुबह करीब 05-30 बजे तक काबू पा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल स्वयं मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभालते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनके साथ पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक यातायात, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

आग की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय स्तर पर सभी उपलब्ध फायर टेंडरों को तत्काल घटनास्थल पर लगाया गया। फायर सर्विस, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पूरी रात लगातार अभियान चलाकर आग को फैलने से रोका तथा आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित रखा।घटना स्थल पर एहतियात के तौर पर फायर एवं पुलिस विभाग की टीमें मुस्तैदी से तैनात हैं और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। आग लगने के कारणों की जांच कराई जा रही है।

जिलाधिकारी ने बताया कि सभी विभागों के बेहतर समन्वय, त्वरित निर्णय और प्रभावी कार्रवाई के कारण स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया है तथा किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

03 से 07 अगस्त तक जनपद के सभी स्कूलों एवं मदरसों में चलेगा स्कूल आधारित टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण अभियान

जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशानुसार जनपद मुरादाबाद में 03 अगस्त से 07 अगस्त 2026 तक सभी राजकीय, सहायता प्राप्त, निजी विद्यालयों तथा मदरसों में स्कूल आधारित टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य बच्चों को टिटनेस एवं डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखना है। इस अभियान के अंतर्गत 05 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 10 वर्ष तक के बच्चों तथा कक्षा-10 में अध्ययनरत लगभग 16 वर्ष आयु के विद्यार्थियों को टीडी का टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीमें विद्यालयों में पहुंचकर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टीकाकरण करेंगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के सफल संचालन के लिए शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा संबंधित सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य अभियान को प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। साथ ही विभागीय अधिकारी जिला, ब्लॉक एवं विद्यालय स्तर पर बैठकें आयोजित कर टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक (Parent-Teacher) बैठक आयोजित कर अभिभावकों को टीडी टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी जाए। साथ ही विद्यालयों में प्रार्थना सभा, रैली, जनजागरूकता कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि टीकाकरण दिवस पर विद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए तथा टीकाकरण हेतु चिन्हित सभी बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, जिससे कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे।

संक्षिप्त समाचार

पापा, तुम घर कब आओगे... पिता को वॉयस मैसेज भेजकर NEET की तैयारी कर रहे छात्र ने लगाई फांसी

मुरादाबाद में इंटरमीडिएट परीक्षा में फेल होने से परेशान अनस ने पिता को वॉयस मैसेज भेजकर आत्महत्या कर ली इंटरमीडिएट केमिस्ट्री में फेल होने से अनस था परेशान।- पिता को वॉयस मैसेज और भाई को लोकेशन भेजी थी। पापा तुम घर कब आ रहे हो, जल्द घर आ जाओ। पिता को रोते हुए यह वॉयस मैसेज कर अनस फंदे पर झूल गया। इससे पहले उसने बड़े भाई समीर को व्हाट्सएप पर अपनी लोकेशन भी भेजी थी। हैदराबाद में अपने दोस्त को व्हाट्सएप पर कॉल की थी। दरअसल, इंटरमीडिएट में केमिस्ट्री की परीक्षा में फेल होने से अनस परेशान था। वह नीट की तैयारी भी कर रहा था। समीर ने बताया कि तीन भाई-बहनों में अनस सबसे छोटा था। उसने कंपार्टमेंट परीक्षा दी थी, पेपर अच्छा नहीं हुआ था, इससे अनस काफी परेशान था। बताया कि अनस ने उसके मोबाइल पर सुबह 9-56 मिनट पर लोकेशन भेजी थी, पापा को भी मैसेज किया था। जब उन्होंने रिप्लाई किया तो मैसेज सीन नहीं हुआ। इसके बाद उसे अनस के फंदे पर लटकने की जानकारी मिली थी।आम के बाग में पेड़ से फंदे से अनस का शव लटका मिला था। समीर ने बताया कि उसने अनस को समझाया भी था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हालांकि, पुलिस अनस का मोबाइल अपने कब्जे में लेकर जांच कर रही है। चाचा नफीस ने बताया कि अनस के ऐसा कदम उठाने की उम्मीद नहीं थी।

बुकिंग तो 70 हजार की है पर मिल रहे 25 हजार, महंगाई ने कम की डीजे की धमक

रामपुर। पेट्रोल-डीजल की महंगाई का असर अब बाजे और डीजे पर भी पड़ा है। परंपरा और पीढ़ियों के काम को देखते हुए संचालक इस धंधे को कर तो रहे हैं लेकिन मुनाफा अब आधा भी नहीं रह गया।

संचालक बताते हैं कि यदि चार दिन के लिए 70 हजार रुपये में डीजे हरिद्वार के लिए ही बुक करते हैं तो आधे से ज्यादा तो मुनाफा तो पेट्रोल-डीजल ही खा जाता है। वाहन का किराया और मजदूर और अन्य खर्च निकालने के बाद 25 हजार तक ही बच पाता है, जबकि पहले मुनाफा काफी था और उस वक्त काम भी ज्यादा था। सावन मास में सैकडों श्रद्धालु डीजे की धुन पर थिरकते हुए कांवड़ लेने जाते हैं और भोले बाबा पर अभिषेक करते हैं। एक साथ वाहन पहले दिन से ही निकलने लगते थे लेकिन अब महंगाई ने डीजे की धमक को कम कर दिया है। दरअसल इस समय डीजे की बुकिंग कम ही है। सालों से जो लोग डीजे बुक कराकर ले जाते हैं वहीं लोग बुकिंग के लिए संचालकों के पास आ रहे हैं, जबकि नया ग्राहक पहुंच नहीं रहा।

संचालक बताते हैं कि इस बार बुकिंग तो हुई है लेकिन उस तरह से नहीं जैसे पहले होती थी। पेट्रोल और डीजल पर महंगाई ने अब डीजे की बुकिंग पर भी असर डाला है। संचालक बताते हैं कि आसपास क्षेत्र से 5000 से बुकिंग शुरू है और तीन-चार दिन के लिए हरिद्वार तक जाने के लिए करीब 70-80 हजार रुपये तक मिल जाते हैं लेकिन इस समय तेल के दामों पर महंगाई होने से पहले वाहन का किराया निकालना पड़ता है और फिर तेल खर्च निकलता है और इसके बाद मजदूरों की मजदूरी निकालने के बाद कहीं जाकर थोड़ा बहुत बच पाता है। कई संचालक ऐसे भी मिले, जिन्होंने इस बार डीजे बुकिंग पर नहीं लगाया तो कुछ ऐसे भी मिले जिनके डीजे एक हफ्ते पहले से मिलक और अन्य जगह बुकिंग पर चल रहे हैं। उन सभी का कहना है कि इस बार सावन में मुनाफा नहीं है।

क्या कहते हैं डीजे संचालक- 10 साल से डीजे का काम कर रहे हैं। शादी, पार्टियों के अलावा सावन के त्योहार पर बुकिंग की जाती है। इस बार हमारा डीजे मिलक क्षेत्र में लगा हुआ है। पहले और अब में काफी अंतर आया है। पेट्रोल-डीजल के दाम से डीजे की धमक कम हुई है। -रोहित सैनी, डीजे संचालक, गंगापुर रोड, हरिद्वार तक के लिए हमारा डीजे बुक होता है। तीन-चार दिन का टूर होता है और इसमें 70-80 हजार तक किराया होता है लेकिन इसमें भी वाहन, तेल और मजदूरों का निकाल दें तो काफी कम आमदनी हो पाती है। मोहित सैनी, डीजे संचालक, गंगापुर रोड, पीढ़ियों से हम सावन में डीजे का काम कर रहे हैं लेकिन एक समय था जब डीजे बुक कराने के लिए लाइन लग जाती थी लेकिन अब वो काम धंधा नहीं रहा, इसलिए हमने इस बार डीजे बुक ही नहीं किए। महंगाई काफी ज्यादा हो रही है।-अशोक कुमार सैनी, आगापुर, ज्वाला नगर

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फर्जी आधार कार्ड बनवाकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने साइबर ठगी से जुड़े एक मामले में कार्रवाई करते हुए फर्जी आधार कार्ड के माध्यम से बैंक खाते खुलवाकर ठगी की रकम का लेन-देन करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 255/2026 में धारा 318(4), 61(2), 336(3), 338 एवं 340(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार रविवार को मुखबिर की सूचना पर शंका पुल कट से धंतिया जाने वाले मार्ग से मोहम्मद जफर पुत्र मोहम्मद अहमद, निवासी शेरनगर, थाना बहेड़ी, जनपद बरेली को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का आरोप है कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी आधार कार्ड बनवाकर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाता था और उन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन में करता था। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अशोक कुमार कर रहे हैं। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह धंतिया निवासी ताहिर और रफीक की मदद से फर्जी आधार कार्ड बनवाकर बैंक खाते खुलवाता था। इसके बाद साइबर ठगी से प्राप्त रकम उन खातों में मंगाई जाती थी, जिसे आपस में बांटकर खर्च कर लिया जाता था। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन, दो पासबुक, तीन आधार कार्ड तथा नौ एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी, मारपीट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मुकदमे दर्ज हैं।

लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नगर निगम पूरी तरह अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा/ मुरादाबाद। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नगर निगम पूरी तरह अलर्ट मोड पर कार्य कर रहा है। शहर में जलभराव की समस्या से निपटने और आमजन को राहत पहुंचाने के लिए नगर निगम की टीमें लगातार मैदान में डटी हुई हैं। जहां भी जलभराव या नालों के अवरुद्ध होने की सूचना मिल रही है, वहां तत्काल सफाई कर्मियों और मशीनों को भेजकर सफाई कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज करूला की पुलिया स्थित बड़े नाले की विशेष सफाई मशीनों की सहायता से कराई गई। सफाई अभियान की निगरानी नगर निगम के सैनिटरी इंस्पेक्टर एवं सुपरवाइजर द्वारा स्वयं मौके पर रहकर की गई। आधुनिक मशीनों के माध्यम से नाले में जमा गाद, कूड़ा-कचरा और अन्य अवरोधों को हटाया गया, जिससे बारिश का पानी सुचारु रूप से बह सके और जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।नगर निगम की पूरी टीम लगातार बारिश के बीच भी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही है। सफाई कर्मचारी प्रतिकूल मौसम के बावजूद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नालों, नालियों और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे हुए हैं। अधिकारियों द्वारा भी लगातार निरीक्षण कर सफाई कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।नगर निगम का कहना है कि बरसात के मौसम में जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे नालों और नालियों में कूड़ा-कचरा न डालें तथा स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें, ताकि बारिश के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। लगातार चल रहे इस विशेष सफाई अभियान से शहर की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है और नगर निगम की टीमें आगामी दिनों में भी इसी तरह मुस्तैदी के साथ कार्य करती रहेंगी।

बम-बम के जयकारों गूंज उठी नाथ नगरी, रोशनी में नहाए कांवड़ बाले रूट

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार से पहले ही नाथनगरी के माहोल में शिव-शिव के उद्घोष गूंजने लगे हैं। कछला और हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ जत्थे बरेली लौटने लगे हैं और रविवार से हर तरफ आस्था का ज्वार उमड़ता दिखेगा। बरेली विकास प्राधिकरण की ओर से कराई गई अभूतपूर्व लाइटिंग से कांवड़ रूट रात में दूधिया रोशन में नहा उठे हैं। शिवभक्त कांवड़ियों की भारी संख्या का आंकलन कर प्रशासन और पुलिस ने ट्रैफिक डाइवर्जन प्लान लागू पहले ही लागू करा दिया है। शहर से देहात तक कड़े सुरक्षा इंतजामों के क्रम में क्विक रेस्पोंस टीमें कांवड़ रूटों पर लगातार मुस्तैद हैं।

श्रद्धा और आस्थ की बयार के बीच बीडीए के प्रयासों से अबकी बार कछला कांवड़ मार्ग की छठा अलग ही दिखाई दे रही है। रंग-बिरंगी रोशनी से सजे प्रवेश द्वार शिवभक्त कांवड़ियों का स्वागत कर रहे हैं। बरेली विकास प्राधिकरण की ओर से प्रमुख मार्गों और प्रवेश द्वारों पर विशेष लाइटिंग कराई गई है। बरेली-मथुरा रोड पर आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ कछला कांवड़ रूट पूरी तरह जगमगा उठा है। रामपुर रोड झुमका तिराहे पर बने द्वार पर रंग-बिरंगी एलईडी लाइटें श्रद्धालुओं को स्वागत के अद्भुत रंगों में सराबोर कर रही हैं। अलखनाथ, बनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वरनाथ-मढ़ीनाथ, अवधेशनाथ आदि शिवालय भी जगमगा उठे हैं। विशेष प्रकाश व्यवस्था ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। कांवड़िए इन जगहों पर सेल्फी और फोटो लेना नहीं भूल रहे। डीएम अविनाश सिंह, बीडीए वीसी सौम्या पांडेय, एसएसपी अनुराग आर्या कांवड़ इंतजामों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं और लगातार अपडेट लेने के साथ सम्बंधित विभागों को जरूरी दिशा निर्देश दे रहे हैं। अफसरों का कहना है कि रविवार शाम से शहर में बड़े कांवड़ जत्थों के पहुंचना शुरू हो जाएं। आज को लाखों शिवभक्त विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे।

कांवड़ रूटों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात, दिन-रात नजर

कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी और एसएसपी ने शनिवार को एक बार फिर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की समीक्षा की। मीडिया मॉनिटरिंग भी लगातार जारी है, ताकि अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। प्रमुख मंदिरों, कांवड़ मार्गों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी और यातायात पुलिस तैनात की गई है। - अनुराग आर्य, एसएसपी।

राजस्व निरीक्षक कुलदीप कुमार को रिटायरमेंट होने पर दी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा/ मुरादाबाद - आज ठाकुरद्वारा तहसील परिसर में राजस्व निरीक्षक के पद पर तैनात कुलदीप कुमार सक्सेना को रिटायरमेंट होने पर विदाई दी गई विदाई समारोह में उप जिलाधिकारी ठाकुरद्वारा एवं तहसीलदार ठाकुरद्वारा ने माल्यार्पण व शॉल पहना कर उनका स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर नायब तहसीलदार और राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी उनका स्वागत किया गया इस अवसर पर उनके परिवार के लोग भी उपस्थित रहे चैनल को दिए गए अपने इंटरव्यू में कुलदीप कुमार सक्सेना ने बताया कि मेरी सर्विस की शुरुआत जनवरी 1993 में लेखपाल के पद पर हुई थी और मेरी पहली पोस्टिंग तहसील सदर मुरादाबाद में हुई उसके 10 वर्ष बाद मेरा ट्रांसफर 2005 में तहसील ठाकुरद्वारा कर दिया गया और फिर 2006 में मेरा ट्रांसफर तहसील कांठ कर दिया गया तथा 4 साल बाद 2010 को मेरा ट्रांसफर तहसील कांठ से तहसील सदर मुरादाबाद में कर दिया गया सदर तहसील में 7 साल तक मैंने अपनी सेवाएं दी उसके पश्चात 2017 को मेरा ट्रांसफर तहसील बिलारी कर दिया गया लगभग 6 वर्ष बाद 2023 को मेरा प्रमोशन राजस्व निरीक्षक के पद पर कर दिया गया प्रमोशन होने के बाद मेरी पहली नियुक्ति तहसील सदर मुरादाबाद में हुई और अंत में मेरा ट्रांसफर राजस्व निरीक्षक के पद पर ही तहसील ठाकुरद्वारा कर दिया गया इस तहसील ठाकुरद्वारा में आज दिनांक 31 जुलाई 2026 को 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर आज रिटायर हो रहा हूं अपने संपूर्ण सेवा काल में मैंने बहुत बड़ा परिवर्तन देखा है जब हम इस सेवा में आए थे तब समस्त राजस्व अभिलेख हस्तलिखित होता था और खसरा खतौनी हाथ से लिखी जाती थी और आज संपूर्ण अभिलेखों का डिजिटल लाइजेशन कर दिया गया है इस प्रकार हम उस जेनरेशन से संबंध रखते हैं जिसमें हमें बहुत कुछ सीखने को मिला हम आज पूर्ण संतुष्टि के साथ सेवा मुक्त हो रहे हैं कि हमने महा परिवर्तनकाल में जन्म लिया और जीवन में बहुत उतार चढ़ाव को देखा

कांवड़ियों की सेवा में तत्पर प्रशासन और जनप्रतिनिधि, भमोरा बाईपास पर शुरू हुआ विशाल सेवा शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बदायूं-बरेली रोड स्थित भमोरा बाईपास, आंवला में कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए बनाए गए विशाल कांवड़ शिविर एवं भंडारे का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों और जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने किया। इस दौरान महापौर डॉ. उमेश गौतम, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह, विधायक डॉ. एम.पी. आर्य, विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह सहित कई अधिकारी और मंदिर के पुजारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शिविर में विश्राम गृह, पूजा स्थल, कांवड़ स्टैंड, विशाल भंडारा, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे कांवड़ मेले के दौरान व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों और जिलाधिकारी ने स्वयं कांवड़ यात्रियों को भोजन परोसकर सेवा का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने भी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की इस पहल की सराहना की।

बरेली पहुंचे इंटरनेशनल खिलाड़ी पारस और संस्कार का भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। तुलसी स्थल मंदिर के निवासी पारस मिश्रा, भारतीय 19 कॉर्फबॉल खिलाड़ी, ने ह्वयस्न एशिया कॉर्फबॉल4 चैंपियनशिप 2026, बैंकॉक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने शानदार प्रदर्शन और खेल भावना के लिए सराहना प्राप्त की।

वहीं संस्कार गंगवार सनराइज कॉलोनी के निवासी संस्कार गंगवार भी भारतीय 19 कॉर्फबॉल खिलाड़ी हैं। IKF एशिया कॉर्फबॉल4 चैंपियनशिप 2026, बैंकॉक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने शानदार प्रदर्शन और खेल भावना के लिए सराहना प्राप्त की। बैंकॉक से बरेली पहुंचे इंटरनेशनल खिलाड़ी पारस मिश्रा और संस्कार गंगवार का फूल मालाओं से साथ स्वागत किया गया।

दोनों खिलाड़ियों की खुशी को देखते हुए बच्चों ने जमकर डांस किया दोनों खिलाड़ियों ने तुलसी स्थल मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं मौजूद तुलसी स्थल के महंत श्री नीरज नैन दास ने दोनों खिलाड़ियों को दुशाला उड़कर स्वागत किया और आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कॉर्फबॉल एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेटरी सुमित शर्मा भी मौजूद रहे और उन्होंने दोनों बच्चों को आशीर्वाद दिया। दोनों खिलाड़ियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम ऐसे ही आगे बढ़ाते रहेंगे। इस अवसर पर पारस के माता पिता - प्रिया मिश्रा, अजय मिश्रा,राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अंजली मिश्रा,शुभी मिश्रा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी स्वागत किया ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गौ सेवा के प्रति समर्पण का सम्मान: गौरव श्रीवास्तव को मिली संगठन में बड़ी जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद के संगठन प्रमुख हेमंत गंगवार ने गौरव श्रीवास्तव को परिषद का मुख्यालय प्रभारी नियुक्त किया है। संगठन के प्रति समर्पण, सक्रिय कार्यशैली और कुशल संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।गौरव श्रीवास्तव बरेली जनपद के ग्राम टिटौली के निवासी हैं। वे लंबे समय से परिषद की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। गौ सेवा और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह दायित्व दिया है। उनका परिवार भी राजनीति, समाज सेवा और गौ सेवा से लंबे समय से जुड़ा रहा है।नियुक्ति की घोषणा के बाद संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने इसे संगठन को नई दिशा देने वाला कदम बताया।पदाधिकारियों का कहना है कि गौरव श्रीवास्तव के नेतृत्व में मुख्यालय के कार्यों में गति आएगी और संगठन और अधिक सशक्त होगा।इस अवसर परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गौरव श्रीवास्तव को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। संगठन का विश्वास है कि उनके अनुभव और नेतृत्व से गौ रक्षा के कार्यों को प्रदेश और देश स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

आत्मदाह के मामले में पत्नी और ससुरालियों के खिलाफ पेट्रोल डालकर आग लगाने की रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी/ पांच दिन पहले गृह क्लेश के चलते कस्बा के हाफिज की आत्मदाह के बाद इलाज के दौरान मौत होने के मामले में भाई की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी और भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बा के मोहल्ला सराय वार्ड 13 निवासी अब्दुल खालिक ने दी तहरीर में बताया आत्मदाह करने वाले उनके भाई हाफिज अब्दुल कादिर की शादी करीब 4 साल पहले स्थानीय कस्बा के मोहल्ला अंसारी वार्ड 9 निवासी सादमा से हुई थी।आरोप है शादी के बाद से सादमा और उसके पिता रियासत,भाई अली हुसैन, आसिफ, साजिद और शाहिद प्रताड़ित करते थे। जिसके चलते 26 जुलाई को आरोपियों ने कादिर को मारपीट कर घर से भगा दिया। जब वह अगले दिन घर आए। 28 जुलाई दोपहर करीब 12~30 बजे आरोपियों ने कादिर के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।शरीर से निकलती लपटों के साथ वह घर से बाहर निकले तो मोहल्ले के लोगों ने आग बुझाई। गंभीर हालत में परिजनो ने उन्हें बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया।इलाज के दौरान 29 जुलाई को कादिर की मौत हो गई।पीड़ित ने सादमा के द्वारा घर से जेवर और अन्य सामान भी ले जाने का आरोप लगाया है।घटना सीसीटीवी में कैद है।

बरेली परिक्षेत्र की बड़ी कामयाबी , IGRS रैंकिंग में पूरे यूपी में पहला स्थान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। आईजीआरएस में जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के मामले में बरेली परिक्षेत्र ने पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में जुलाई-2026 की जारी रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र ने प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इस शानदार प्रदर्शन में बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत जनपदों का संयुक्त योगदान रहा। इतना ही नहीं, इन चारों जनपदों के कुल 85 थानों ने भी प्रदेश में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल कर परिक्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। बेहतरीन कार्य के लिए परिक्षेत्र कार्यालय में तैनात आईजीआरएस टीम के उपनिरीक्षक शालू, कंप्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं, जिन जनपदों और थानों का प्रदर्शन अपेक्षानुसार नहीं रहा है, उनके कार्यों की समीक्षा कर सुधार के निर्देश दिए जाएंगे। बरेली परिक्षेत्र की यह उपलब्धि पुलिस की जवाबदेही, पारदर्शिता और जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विश्वविद्यालय में दहेज विरोधी जागरूकता अभियान में – दी गई अधिकारों की जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय में दहेज प्रथा के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को दहेज प्रथा के दुष्परिणामों तथा इससे संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों और अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। दहेज प्रथा के गंभीर मुद्दे- कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए संदेश दिया कि दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं

के सम्मान, समानता और गरिमा से जुड़ा गंभीर सामाजिक मुद्दा है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे स्वयं दहेज न लेने और न देने का संकल्प लें तथा अपने परिवार एवं समाज में भी दहेज प्रथा के विरुद्ध जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षित और जागरूक युवा पीढ़ी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, किला पुलिस ने की कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को किला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिर की सूचना पर आरोपी को किला फाटक पुल के पास से दबोचा और उसके खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला थाना किला क्षेत्र का है, जहां 26 जून 2026 को पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता और उसकी मां ने आरोपी के घर जाकर शादी की बात की तो आरोपी और उसके परिजनों ने गाली-गलौज, मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच

शुरू की। अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए थाना किला पुलिस ने 2 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर आरोपी दीशा पुत्र इकबाल, निवासी मोहल्ला 12 बघिया, थाना किला, बरेली को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका पीड़िता से प्रेम-प्रसंग था और शादी का आश्वासन देकर दोनों के बीच संबंध बने थे। बाद में विवाद होने पर मामला पुलिस तक पहुंच गया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

सड़क बनी पार्किंग ज़ोन नगर निगम के वाहनों से रोज़ लगता जाम, शिकायत के बाद भी नहीं कार्रवाई, मानवाधिकार संगठन ने नगरआयुक्त से की कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर की प्रमुख सड़क पीलीभीत बाइपास रोड पर स्थित पॉश कॉलोनी पवन विहार के सामने आकाश टॉवर (कमर्शियल कॉम्प्लेक्स) के बाहर नगर निगम के वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। आरोप है कि निगम के वाहन चालक रोज़ाना अपने वाहन मुख्य सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े कर चले जाते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और कई बार जाम जैसी स्थिति बन जाती है।

इस संबंध में मानवाधिकार संगठन के वरिष्ठ सदस्य (जिला स्तर) अजय सक्सेना ने नगर निगम आयुक्त को लिखित शिकायत देने के साथ-साथ ऑनलाइन पोर्टल पर भी मामला दर्ज कराया था। बावजूद इसके

अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराज़गी है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह शहर का व्यस्त मार्ग है, जहां से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। इतना ही नहीं, इस मार्ग से प्रशासनिक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का भी नियमित आवागमन रहता है। ऐसे में मुख्य सड़क पर नगर निगम के वाहनों की अवैध पार्किंग न केवल ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावित कर रही है,

बल्कि शहर की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर वाहनों की पार्किंग पर तत्काल रोक लगाई जाए और संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ नटेरन ब्लॉक इकाई की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंहरघुवंशी/ बैठक 2 अगस्त दिन रविवार को नंधावत मैरिज गार्डन खैरी रोड नटेरन मे बैठक आयोजित की गई थी जिसमें ब्लॉक इकाई का गठन एवं कार्ड वितरण एवं जिला इकाई की सूची में विस्तार भी किया गया। एवं सभी सदस्य साथियों की सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार रामकृष्ण रघुवंशी संवाददाता नवभारत को अध्यक्ष पद पर एवं माहा सचिव यशपाल रघुवंशी नियुक्त किये बैठक में उपस्थित मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी जिला कार्यकारी अध्यक्ष योगेश

पंथी, विदिशा से आए हुए विशेष अतिथि विवेक ठाकुर संवाददाता आज तक चैनल, एवं जिला उपाध्यक्ष सफीक खान जिला सचिव अलीम खान, घनश्याम पंथी,लटेरी , नटेरन से पत्रकार साथी महेंद्र रघुवंशी,नरेंद्र रघुवंशी, नितेश नामदेव कोक सिंह रघुवंशी ,अशोक रघुवंशी, राहुल धाकड़, अखलेश रघुवंशी, आदि बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे पत्रकार साथी मौजूद रहे नटेरन के वरिष्ठ पत्रकार ओम श्रीवास्तव के भतीजे हर्षवर्धन उर्फ सोनू की आत्मा शांति के लिए सभी पत्रकार साथियों द्वारा 2 मिनट का मौन धारण कर उनके आत्मा शांति के लिए श्रद्धांजलि समर्पित की।

यूपी में कबड्डी खिलाड़ी का कत्ल: गहरी दोस्ती और बहन से अफेयर, कार्तिक ने दोस्त को क्यों मार डाला? पूरी कहानी

शामली में प्रेम प्रसंग के चलते बागपत के गांव ककड़ीपुर निवासी राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी मोनू उर्फ गुल्लू (22) की कांधला इलाके के नाला गांव में दो गोली मारकर हत्या कर दी। शव को गन्ने के खेत में फेंक दिया। वारदात के चार घंटे बाद पुलिस ने युवती के पिता और चचेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य आरोपी फरार हैं। शामली में राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मोनू की हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी भागने के बजाय सीधे अपने गांव लौट गए। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी कार्तिक ने बताया कि उसे बिल्कुल भी अंदेशा नहीं था कि पुलिस इतनी जल्दी वारदात का खुलासा कर देगी। सभी आरोपी सामान्य तरीके से गांव पहुंचे और अपने-अपने घरों में अपने जरूरी काम में लग गए। पुलिस ने तकनीकी जांच और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि गांव की एक युवती से मोनू के संबंध थे। जब पुलिस उसके घर पहुंची तो युवती के शरीर पर चोट के निशान मिले। इसी बीच पुलिस ने मुख्य आरोपी कार्तिक की मोबाइल लोकेशन खंगाली, जो घटना के समय घटनास्थल के आसपास मिली। घटनास्थल से बरामद तीन चप्पलों ने भी पुलिस को आरोपियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया।बागपत और शामली से जुटाए थे तमंचे- पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने तीन तमंचों का इंतजाम किया था। पूछताछ में उन्होंने बताया कि हथियार बागपत और शामली क्षेत्र से खरीदे गए थे। पुलिस अब उन लोगों की तलाश में जुट गई है जिन्होंने आरोपियों तक हथियार पहुंचाए।बेइज्जती हो रही थी, इसलिए कर दी हत्या- पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी कार्तिक ने हत्या के पीछे अपनी सोच भी बताई। उसका कहना था कि बार-बार समझाने के बावजूद उसकी चचेरी बहन मोनू से बातचीत बंद नहीं कर रही थी। उसे लगने लगा था कि इससे परिवार की बेइज्जती हो रही है। इसी कारण उसने साथियों के साथ मिलकर मोनू की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी के चेहरे पर अपने कृत्य को लेकर कोई पछतावा नजर नहीं आया। वह पुलिस के सवालों का सामान्य तरीके से जवाब देता रहा और वारदात से जुड़े कई अहम तथ्य भी बताए। इंस्टाग्राम पर बनी चौधरी नाम की आईडी पर युवक से बात करती थी एसपी के मुताबिक आरोपी कार्तिक ने पुलिस की

पूछताछ में बताया कि उसकी बहन उसके मोबाइल फोन में ही इंस्टाग्राम पर मोनू से चैटिंग करती थी। उसकी बहन के पास कोई फोन नहीं था। करीब ढाई माह पहले ही उसे पता चला कि उसके फोन में किसी चौधरी नाम से भी इंस्टाग्राम आईडी से चैट हो रही है। उस दिन युवती आइडी को लॉग आउट करना भूल गई। कार्तिक ने जांच की तो उसे पता चला की आईडी उसकी बहन ने फर्जी चौधरी के नाम से बनाई हुई है, जिससे वह मोनू से बात करती है। उसने मोनू से बात करने को बहन को मना किया था मगर वह नहीं मान रही थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी कार्तिक, सत्यम व अर्जुन 12वीं कर चुके हैं।प्रेम प्रसंग ने दोस्ती को रंजिश में बदला- राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मोनू और मुख्य आरोपी कार्तिक कभी गहरे दोस्त हुआ करते थे। पुलिस पूछताछ में कार्तिक ने बताया कि वे दोनों कई कबड्डी प्रतियोगिताओं में साथ हिस्सा ले चुके थे। यहां तक कि दोनों मध्य प्रदेश में आयोजित एक प्रतियोगिता में भी साथ खेलने गए थे।पुलिस के अनुसार, कार्तिक ने बताया कि जब उसे अपनी चचेरी बहन और मोनू के बीच प्रेम प्रसंग का पता चला तभी से दोनों की दोस्ती में दरार आ गई। उसने पहले मोनू को समझाने और बातचीत बंद करने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो वह बर्दाश्त नहीं कर पाया। इसी रंजिश में उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर मोनू की हत्या की साजिश रची और उसे मार डाला।हत्यारोपी की दिल्ली में बसने की थी तैयारी-राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी मोनू उर्फ गुल्लू की हत्या के बाद मुख्य आरोपी कार्तिक ने दिल्ली में जाकर रहने की योजना बना रखी थी। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वारदात के बाद वह अपने दोनों साथियों के साथ दिल्ली में किराये का फ्लैट लेकर रहने वाला था। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह दोनों साथियों का पूरा खर्च भी खुद उठाने को तैयार था। हत्या के बाद तीनों इस योजना को सफल मानकर जश्न मनाने की तैयारी में थे।प्रेम प्रसंग के विरोध में कबड्डी खिलाड़ी की गोली मारकर हत्या -शामली में प्रेम प्रसंग के चलते बागपत के गांव ककड़ीपुर निवासी राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी मोनू उर्फ गुल्लू (22) की कांधला इलाके के नाला गांव में दो गोली मारकर हत्या कर दी। शव को गन्ने के खेत में फेंक दिया। वारदात के चार घंटे बाद पुलिस ने युवती के पिता और चचेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। दो अन्य आरोपी फरार हैं। आरोपियों ने युवती की भी पिटाई करके हत्या की कोशिश की थी।शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे पुलिस को सूचना मिली कि नाला गांव में रजबहे की पटरी के निकट गन्ने के खेत में युवक का शव पड़ा है। पास में बाइक पड़ी है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव की पहचान बागपत के ककड़ीपुर गांव निवासी मोनू उर्फ गुल्लू के रूप में हुई। मोनू के पिता सुरेंद्र की तरफ से कांधला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि हत्या के आरोप में गांव ककड़ीपुर निवासी कार्तिक और उसके ताऊ ओमपाल को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि कार्तिक की चचेरी बहन और मोनू के बीच प्रेम प्रसंग था।कार्तिक ने अपने ताऊ ओमपाल के कहने पर दो साथियों सत्यम निवासी गांव भारसी और अर्जुन निवासी गांव नाला के साथ मिलकर साजिश रची।ी खेलने के अलावा गन्ने की फसल में ट्रैक्टर से चलने वाली स्प्रे मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव करने का कार्य करता था। इसके लिए वह नाला गांव में दो मजदूरों को लेने बाइक से जा रहा था। रास्ते में आरोपियों ने मोनू को घेर लिया और उसके सिर व सीने में दो गोली मारकर हत्या कर दी।

संक्षिप्त समाचार

भोले के भक्तों के स्वागत में तैयार बरेली , BDA ने संभाली कमान, तैयारियों का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा को लेकर बरेली विकास प्राधिकरण पूरी तरह एक्टिव हो गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध आवागमन के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बरेली विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष ने शाहजहांपुर रोड, बदायूं रोड, रामपुर रोड और बीसलपुर रोड समेत प्रमुख

कांवड़ मार्गों का निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। सड़कों की मरम्मत, चौड़ीकरण, साफ-सफाई, बेहतर लाइटिंग और जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। शहर के प्रमुख प्रवेश द्वारों को आकर्षक सजावट और विद्युत रोशनी से सजाया जाएगा। वहीं तपेश्वरनाथ द्वार और अवैद्यनाथ द्वार पर कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत होगा। श्रद्धालुओं के लिए भंडारा, मेडिकल कैंप, एम्बुलेंस, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल, चार्जिंग हब और विश्राम स्थल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। बरेली विकास प्राधिकरण का लक्ष्य है कि कांवड़ यात्रा-2026 श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार बने।

आज रामगंगा पुल पर लगेगा सेवा का दरबार व विशाल भंडारा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / जिला प्रशासन की पहल शिवभक्तों और कांवड़ यात्रियों को मिलेंगी भोजन सहित आवश्यक सुविधाएं बरेली। श्रावण मास के पावन अवसर पर शिवभक्तों एवं कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए तहसील सदर एवं जिला प्रशासन, बरेली द्वारा आज 3 अगस्त सोमवार को विशाल भंडारा एवं कांवड़ शिविर का शुभारंभ किया जाएगा। यह आयोजन प्रातः 9:00 बजे रामगंगा पुलिस चौकी के निकट, रामगंगा पुल, तहसील सदर, बरेली में होगा। शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, जलपान, विश्राम तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी, ताकि उनकी यात्रा सुरक्षित और सुगम बन सके। आयोजन समिति ने सभी शिवभक्तों, सामाजिक संगठनों एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिव सेवा में सहभागी बनने की अपील की है। श्रावण मास में आयोजित यह सेवा शिविर श्रद्धालुओं के लिए आस्था, सेवा और समर्पण का केंद्र बनेगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

चार अगस्त से रामायण मंदिर में होगा तुलसी जयंती समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री रामायण मंदिर, माधवबाड़ी में 4 अगस्त से 16 दिवसीय तुलसी जयंती समारोह का शुभारंभ होगा।

रविवार को प्रेस वार्ता में मीडिया प्रभारी अनिल ने बताया कि समारोह का उद्घाटन दोपहर 1 बजे किया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार कार्यक्रम में प्रसिद्ध रामकथा वाचक श्री धन्वंतरी दास जी महाराज रामकथा का रसपान कराएंगे। इसके साथ ही रामनाम के रसिकों द्वारा संकीर्तन की रसधारा भी प्रवाहित होगी। समिति ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी आयोजन हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। समिति के सचिव नवीन अरोड़ा ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से समारोह में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

नॉर्थ जोन तैराकी चैंपियनशिप में ओजस ने जीता गोल्ड मेडल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली।आईआईएमटी एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन-1 (19) बालक तैराकी चैम्पियनशिप 2026-27 में रोमांचक मुकाबले हुए। प्रतियोगिता में बरेली से भी बड़ी संख्या में तैराकों ने प्रतिभाग किया। इसमें 100 मीटर बैक स्ट्रोक में जीडी गोयनका के कक्षा सातवीं के छात्र ओजस चौरसिया ने गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया। ओजस नियमित स्पोर्ट्स स्टेडियम के तरण ताल में प्रैक्टिस करता है। उसकी इस सफलता पर क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी चंचल मिश्रा, क्रीड़ाधिकारी शीला भट्टाचार्या, जिला स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव सुनील कुमार मित्तल, अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, कोच सुमित चौरसिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बदायूं में गंगा एक्सप्रेसवे के समीप दो कारों की भिड़ंत, बिसौली विधायक समेत चार लोग घायल

बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर बिसौली विधायक की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गंगा एक्सप्रेसवे के समीप उनकी कार सामने से आ रही दूसरी कार से भिड़ गई। हादसे में विधायक समेत चार लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है।बदायूं के बिसौली विधायक आशुतोष मौर्य उर्फ राजू रविवार को सड़क हादसे में घायल हो गए। वह एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बगरैन जा रहे थे। गंगा एक्सप्रेसवे के समीप बिसौली मार्ग पर उनकी कार सामने आ रही दूसरी कार से भिड़ गई। हादसे में विधायक समेत चार लोग घायल हो गए।हादसा वजीरगंज थाना क्षेत्र में गांव बनकोटा के पास गंगा एक्सप्रेसवे के निकट हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों के गाड़ियों के एयरबैग खुल गए। इसकी वजह से किसी को ज्यादा चोटें नहीं। हादसे में विधायक आशुतोष मौर्य, उनके चालक मुकेश यादव और गनर देव सिंह को मामूली चोटें आईं। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को घर भेज दिया। विधायक गांव बगरैन में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम एवं कलश यात्रा में शामिल होने जा रहे थे। बैंक कैशियर भी घायल - दूसरी गाड़ी में सवार अरविंद कुमार मिश्रा कैशियर जिला सहकारी बैंक आसफपुर, शिव कुमार मौर्य कैशियर बिसौली, धर्मेंद कुमार सिंह कैशियर सहसवान और राहुल कुमार बदायूं में गुरु पूजन कार्यक्रम जा रहे थे। इसमें अरविंद कुमार मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी पर उपचार कराने के बाद परिजन चंदौसी ले गए। उधर, हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में विधायक के समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना के कारण कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया।सीओ बिसौली अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि विधायक आशुतोष मौर्य की गाड़ी सड़क दुर्घटना का शिकार हुई थी। उन्हें, उनके गनर और चालक को मामूली चोटें आई हैं। दूसरी गाड़ी में अरविंद मिश्रा घायल हुए। प्राथमिक उपचार के बाद सभी सुरक्षित हैं। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गौ सेवा और संरक्षण के संदेश के साथ निकली गौरक्षा संदेश पदयात्रा, शिवपुरी में होगा भव्य समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। गौमाता की सेवा, संरक्षण और जनजागरण के उद्देश्य से गौरक्षा संदेश पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह पदयात्रा श्री बैकुण्ठधाम परिवार, एनवारा आश्रम, बदरवास के तत्वाधान में निकाली जा रही है। यात्रा का नेतृत्व एवं अध्यक्षता श्री बैकुण्ठधाम धर्मस्थल के गुरु राजेश जी महाराज कर रहे हैं। आयोजकों के अनुसार पदयात्रा का समापन कोलारस विकासखंड में किया जाएगा। इसके अगले दिन पडोरा में पदयात्रा का स्वागत होगा। दोपहर में सेसई स्थित रईजा वाले हनुमान मंदिर में पदयात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी। इसके बाद सायंकाल राजेश्वरी माता मंदिर, शिवपुरी में पदयात्रा का भव्य समापन होगा।

पदयात्रा के माध्यम से गौ सेवा और संरक्षण के प्रति जनजागरण करने के साथ ही गौहत्या पर पूर्ण रोक लगाने के लिए व्यापक जनचेतना अभियान चलाने, गोपालन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रतिमाह निश्चित मानदेय दिए जाने, सभी शासकीय गौशालाओं के सुचारू संचालन तथा समाज में गौमाता के प्रति श्रद्धा, सम्मान और जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा। गुरु राजेश जी महाराज एवं आयोजकों ने धर्मप्रेमियों, गौभक्तों, युवाओं और मातृशक्ति से राजनीति से ऊपर उठकर इस जनजागरण अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उनका कहना है कि गौ सेवा और संरक्षण का संदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना ही इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव एवं पंचायती राज विभाग को भेजे गए प्रार्थना पत्र ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप, मुख्यमंत्री से जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह /बहराइच। विकासखंड रिसिया के ग्राम पंचायत परसपुर के ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान निसार खां के विरुद्ध मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन तथा पंचायती राज विभाग, लखनऊ को प्रार्थना पत्र भेजकर गंभीर अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच कराकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि ग्राम प्रधान द्वारा आवास योजना में धन लेकर कार्य कराने, मनरेगा कार्यों में अनियमितता करने तथा

विद्यालय में बच्चों के लिए आने वाले खाद्यान्न का सही उपयोग न करने जैसी शिकायतें की गई हैं। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि जो व्यक्ति कथित अनियमितताओं का विरोध करता है, उसे फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि सरकारी धन का फर्जी रसीदों के माध्यम से दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे ग्रामवासी काफी परेशान हैं। प्रार्थना पत्र में पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी पाए जाने पर ग्राम प्रधान के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। यह प्रार्थना पत्र मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन, प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन तथा पंचायती राज विभाग को भेजा गया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूँ मे नशा मुक्त भारत पखवाड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूं में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डॉक्टर, मेडिकल एवं पैरामेडिकल/नर्सिंग छात्र और स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप प्रधानाचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं डॉ नेहा सिंह ने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और आने वाली नस्ल को बर्बाद कर देती है। नशे की लत से परिवार टूटते हैं, समाज में अपराध बढ़ता है और देश की युवा शक्ति कमजोर होती है।

उन्होंने युवाओं और आम जनता से अपील की कि हमें सबसे पहले खुद को नशे से बचाना चाहिए और साथ ही अपने समाज को भी इस बुराई से बचाने का संकल्प लेना चाहिए। यदि हम आज जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उप प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने और नशा छोड़ने में मदद के लिए लगातार शिविर और काउंसलिंग सत्र आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम के अंत मे उपप्रधानाचार्य महोदया द्वारा सभी को नशा न करने और दूसरों को भी नशे से दूर रखने की शपथ दिलाई गई । इस कार्यक्रम मे मीडिया प्रभारी डॉ लालेन्द्र यादव, फार्माकोलॉजी बिभाग के सहायक आचार्य डॉ अमित कुमार, कॉलेज ऑफ नर्सिंग के ट्यूटर श्री सुनील कुमार , श्री अजय परिक, छात्रों एवं स्टॉफ मजूद रहे हु

तहसील मुख्यालय के पास ही 7 दिन तक सड़ते रहे गोवंश!

महसी में गो-रक्षा के खोखले दावे, नहर से मिले 8 शव, BDO का विवादित बयान

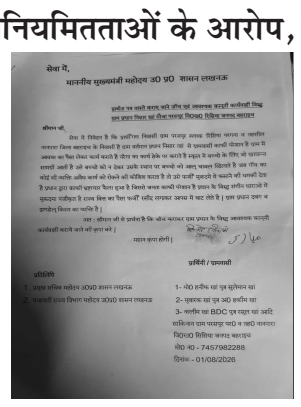

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह /बहराइच। सरकार भले ही गो-संरक्षण और गो-संवर्धन के लिए करोड़ों खर्च करने और सख्त कानून बनाने का दावा कर रही हो, लेकिन बहराइच के महसी में इसकी हकीकत बिल्कुल अलग है। तहसील मुख्यालय से महज 2 किमी दूर महराजगंज नहर में 8 गोवंशों के सड़े-गले शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। आरोप है कि ये शव पिछले एक सप्ताह से नहर के साइफन में फंसे थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सोते रहे। शिकायतों के बाद भी नहीं जागा सिस्टम- स्थानीय लोगों का कहना है कि महराजगंज नहर में गोवंशों के शव 7 दिन से फंसे हुए थे। बदबू इतनी ज्यादा थी कि आसपास के घरों में रहना मुश्किल हो गया था। ग्रामीणों ने इस संबंध में कई बार ब्लॉक और तहसील प्रशासन को अवगत कराया, मगर किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। जब ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ा और मामला तूल पकड़ने लगा, तब प्रशासन हरकत में आया। मौके पर पहुंची टीम को नहर में 8 गोवंशों के शव पूरी तरह सड़े-गले मिले। आनन-फानन में जेसीबी मशीन से गड्ढा खुदवाकर शवों को दफन कर औपचारिकता पूरी कर दी गई। BDO का बयान बना चर्चा का विषय- इस मामले में विकास खंड अधिकारी प्रतीक सिंह यादव का बयान सबसे ज्यादा

सुर्खियों में है। पोस्टमार्टम को लेकर पूछे गए सवाल पर BDO ने कहा, इगोवंश पूरी तरह सड़ चुके हैं, अब इनका पोस्टमार्टम कैसे संभव है। BDO के इस जवाब से साफ है कि उन्हें भी पता था कि शव कई दिनों से पड़े हैं। सवाल उठता है कि जब जानकारी पहले से थी तो समय रहते अंतिम संस्कार क्यों नहीं कराया गया? अधिकारी के इस टालमटोल वाले बयान से प्रशासन की मंशा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। फाइलों में गो-संरक्षण, जमीन पर लापरवाही - महराजगंज नहर में मिले गोवंशों के शव महसी में चल रही गो-संरक्षण व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं। सरकार एक तरफ गौशालाओं के लिए बजट जारी करती है और दूसरी तरफ तहसील मुख्यालय के पास ही एक हफ्ते तक गोवंश सड़ते रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर मुख्यालय के आसपास ही प्रशासन की यह स्थिति है तो दूरदराज के इलाकों में गो-संरक्षण के नाम पर क्या हो रहा होगा। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि गोमाता के प्रति घोर उदासीनता है। ग्रामीणों में रोष, उच्च स्तरीय जांच की मांग- घटना के बाद महराजगंज और आसपास के गांवों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो जिन्होंने समय पर सूचना मिलने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया। लोगों ने मृत गोवंशों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराने की भी मांग उठाई है। महसी विकास खंड सहित तहसील प्रशासन के लिए यह घटना शर्मिंदगी का कारण बनी है। एक ओर गो-रक्षा के बड़े-बड़े नारे, दूसरी ओर मुख्यालय से 2 किमी दूर नहर में गोवंशों की लाशें। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस पर ठोस कार्रवाई करता है या फिर मामला खानापूर्ति कर दबा दिया जाएगा।

जौहर यूनिवर्सिटी मामले में राहत पर मुरादाबाद में सांसद रूचिवीरा का भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / मुरादाबाद। मौलाना मुहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने संबंधी नोटिस के विरोध में चले आंदोलन के बाद प्रशासन की ओर से राहत मिलने पर समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। इस मामले में जिला अधिकारी रामपुर द्वारा जौहर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट को नोटिस जारी किए जाने के बाद छात्रों से लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं तक ने इसका पुरज़ोर विरोध किया था। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के

निर्देश पर सांसदों और विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल रामपुर पहुंचा था। प्रतिनिधिमंडल में सांसद रूचिवीरा, अबू आसिम आज़मी, जावेद अली खान, इकरा हसन, नीरज मौर्य और राजीव राय सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल थे। सभी नेताओं ने धरने पर बैठे छात्रों से मुलाकात की, उनके समर्थन में धरने पर बैठे और जिला अधिकारी रामपुर को ज्ञापन सौंपकर नोटिस वापस लेने की मांग की। राहत मिलने के बाद समाजवादी पार्टी ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए जौहर यूनिवर्सिटी को स्थायी राहत दिए जाने की मांग भी उठाई। लोकसभा की कार्यवाही में भाग लेने के बाद जब सांसद रूचिवीरा मुरादाबाद पहुंचीं तो समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें शॉल ओढ़ाकर और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा मिठाई खिलाकर खुशी का इज़हार किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सांसदों और विधायकों द्वारा किए गए संघर्ष का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के महानगर उपाध्यक्ष अमजद पठान ने कहा कि मुरादाबाद की जनता को अपनी सांसद रूचिवीरा पर गर्व है। उन्होंने कहा कि सांसद ने जौहर यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर सदन से लेकर सड़क तक लगातार संघर्ष किया और छात्रों की आवाज़ को मजबूती से उठाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि जौहर यूनिवर्सिटी को जारी नोटिस पूरी तरह निरस्त किया जाएगा, ताकि छात्र-छात्राओं के भविष्य पर किसी प्रकार का संकट न आए। कार्यक्रम में सांसद रूचिवीरा के साथ जिला उपाध्यक्ष हाजी तालिब अंसारी, शाने अली शानू, करीम खान, खुशनुद खान, वदूद खान, फहीम एडवोकेट सहित अन्य नेताओं का भी स्वागत किया गया। इस दौरान महानगर उपाध्यक्ष अमजद पठान के साथ एजाज़ खान, मुहम्मद कासिम, शानू खान, महबूब अली, अरशद अली, अरशद खान, रशीद अली, शुऐब खान, अय्यूब खान, सैयद काज़मि अली, आमिर खान, शान खान, तहसीन पठान, असद अली, रिजवान, हमज़ा, हमज़ा खान सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गांव अलहदादपुर में बच्चों विवाद में बड़ों में हुआ झगड़

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ हरदुआगंज क्षेत्र के गांव अलहदादपुर में बच्चों के विवाद को लेकर घर के बड़ों लोगों में लाठी-डंडे चल गए। मौके पर पहुंची पुलिस के सामने भी आरोपी गाली गलौच करने लगे प्रीति पत्नी वीरेश कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि की बजे उनके और पड़ोसी के बच्चों में झगड़ा हो गया था। आरोप है कि जयप्रकाशं उनके घर में घुस आया और गाली गलौज कर हम लोगों को डंडे से पीटना शुरू कर दिया। पति वीरेश कुमार बचाने आये तो जयप्रकाश व उसकी बेटी सोना ने उन्हें भी डंडे से पीटा आरोप है कि शिकायत पर पहुंची पुलिस के सामने ही नामजद गालियां देने लगे। एसएचओ हरिभान सिंह राठौर ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है

10वीं पास विद्यार्थियों के लिए अवसर, 12 अगस्त तक पॉलीटेक्निक में सीधे प्रवेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। 10वीं कक्षा उत्तीर्ण कर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, छत्री रोड, शिवपुरी में डिप्लोमा इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष में सीधे प्रवेश का अवसर उपलब्ध है।

महाविद्यालय में रिक्त सीटों पर संस्था स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम से 10वीं के अंकों के आधार पर प्रवेश दिए जा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य के अनुसार विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शाखाओं में प्रवेश ले सकते हैं। संस्था स्तरीय काउंसलिंग में शामिल होने के लिए पहले एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। इसके बाद अभ्यर्थियों को सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को सुबह 10-30 बजे महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पीड़ित में ने पुलिस लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद के कस्बा पिलखना में एक युवती ने एक व्यक्ति पर छेड़छाड़ और बुरी नीयत रखने का आरोप लगाया है। युवती ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई तहरीर में युवती ने बताया कि उसके पिता की मृत्यु के बाद से पिता की उम्र का एक व्यक्ति उसे रोजाना बुरी नीयत से परेशान करता है। युवती के अनुसार, विरोध करने पर आरोपी उसे धमकियां भी देने लगा। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने इस मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पिलखना निवासी युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बदमाशों ने व्यापारी से मारपीट कर लूटी नकदी व बाइक, ढाबा से खाना खाकर घर लौटने के दौरान हुई घटना

थाना क्षेत्र के उमरन के पास शनिवार देर रात को व्यापारी के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। पीड़ित ने दो बदमाशों पर बाइक व नकदी लूटने का आरोप लगा पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। अकबरपुर थाना क्षेत्र के परिनामिनपुरवा निवासी धर्मेंद्र यादव ने रविवार को रनियां थाना पहुंच कर पुलिस को तहरीर दी।उन्होंने बताया कि वह गिट्टी मोरंग का व्यापार करते हैं। शनिवार शाम को वह जरूरी काम से किसान नगर गए थे। वहां से देर रात को लौटने के दौरान उन्होंने रनियां के

एक ढाबा खाना खाया। इसके बाद वह के लिए निकले, रात 11-30 बजे के करीब उमरन गांव के पास पहुंचने पर पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने सड़क पर बाइक आगे लगाकर उसको रोकने का प्रयास किया। इसपर उसने भागने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उसकी बाइक गिरा दी और मारपीट कर जेब में पड़े 11 हजार रुपये व बाइक लूट कर भाग गए। रनियां के श्यामनगर में बुधवार रात को परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट के मामले में पुलिस अभी खुलासा नहीं कर पाई है।इधर दूसरी वारदात हो जाना पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। वहीं लगातार बढ़ती वारदातों से लोगों में भय व्याप्त है। रनियां थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या व्यापारी के साथ शराब के नशे में मारपीट हुई है। छानबीन में ढाबा के सीसीटीवी फुटेज व कर्मचारियों से पूछताछ में भी व्यापारी के नशे की हालत में होने की बात सामने आई है। घटना को लेकर जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

How to protect important documents stored in your bag during the rain? Try these 5 easy tricks.

To protect important documents during the rain, keep them in a waterproof zip pouch, attach a rain cover to your bag, keep digital copies secure, store documents inside the bag, and dry them immediately if they get wet. This monsoon season offers relief from the heat, problems. Sudden downpours often leave bags, such as Aadhaar cards, PAN cards, files, or children's certificates, can be papers get wet and tear, the information reissued. Nowadays, most people leave workers, college students, business important documents. In such a situation, during the rainy season. The good news is rain and moisture by adopting some simple purchasing expensive accessories. Let's your important documents safe even Pouch or Document Folder: Instead of keep them in a waterproof zip pouch, This will prevent rainwater from entering different documents in separate pouches.

significantly reduces the risk of damage. The but it also brings with it many minor and major people drenched, and important documents in their driving licenses, passports, bank documents, office damaged. Sometimes, due to a little carelessness, on them becomes blurred, or they have to be their homes with bags every day. Whether office professionals, or travelers—everyone carries some it becomes extremely important to protect them that you can protect your important documents from and inexpensive measures. This doesn't even require explore five easy and useful tips that can help keep during the monsoon season. 1. Waterproof Zip storing important documents directly in your bag, plastic document folder, or sealable transparent bag. and keep the documents safe. It's even better to keep 2. Digital Copies of Documents: Keep scanned copies of your Aadhaar card, PAN card, driving license, insurance documents, and other important documents in your phone, secure cloud storage, or a trusted digital locker. If the originals get wet or lost, the digital copies can be useful. 3. Keep important documents in the safest part of your bag: If your bag has a dedicated laptop or document compartment, keep your documents there. Try not to keep them in the outer pockets of your bag, as water is more likely to get in there. Always keep the zipper of your bag tightly closed. 4. Use a rain cover for your bag - Rain covers are readily available for most bags these days. If your bag didn't come with a rain cover, purchase one separately. It significantly protects the bag and its contents in case of a sudden downpour. This is a useful investment for those on long journeys or daily commuters. 5. Prompt care after getting wet - If your bag or documents become slightly wet, remove them immediately, wipe them gently with a dry cloth, and dry them in a shady, ventilated area. Drying wet papers in direct sunlight or the intense heat of a hair dryer can cause them to warp or become damaged. Only put them back in the folder after they are completely dry.

Do you wake up frequently at night? It could be a sign of these 5 diseases.

If you're one of those people who wake up frequently at night, you should definitely read this article. We'll explain the possible causes. Adequate, deep sleep is essential for good health. During sleep, the body rests and the mind rejuvenates. trouble falling asleep again. This problem may be shouldn't be ignored. Frequent awakenings aren't just problems. Lack of sleep can impact daytime energy, it's important to understand the possible causes of Frequent awakenings can be a sign of these 5 conditions: awakenings. This condition causes interruptions in suddenly. Symptoms include loud snoring, headaches Elevated blood sugar levels can lead to frequent bathroom multiple times at night, feel excessively thirsty, 3. Stress and anxiety - Mental stress and anxiety can more active, leading to frequent awakenings, - An imbalance in thyroid hormones can also affect restlessness, rapid heartbeat, excessive sweating, and

However, many people wake up repeatedly at night and have normal if it occurs occasionally, but if it's a daily occurrence, it due to stress or bad habits; they can also be a sign of certain health mood, performance, and the body's immune system. Therefore, frequent nighttime awakenings and when to consult a doctor. 1. Sleep apnea - Sleep apnea can be a major cause of frequent breathing during sleep, which can cause a person to wake up upon waking, and feeling tired throughout the day. 2. Diabetes - urination, which can disrupt sleep. If you have to go to the or feel tired, getting your blood sugar checked may be beneficial. have a direct impact on sleep. Stressful states can make the mind restlessness, and difficulty falling asleep again. 4. Thyroid problems sleep. Hyperthyroidism, in particular, can cause problems like trouble sleeping. 5. Acidity and digestive problems - Gas, acidity, or stomach problems can also cause frequent sleep interruptions. This problem can be aggravated by eating heavy meals late at night or eating unhealthy foods. Follow these steps for better sleep: Set a daily bedtime and wake-up time. Reduce the use of mobile phones and screens before bed. Eat light and early at night. Avoid caffeinated beverages late in the evening. Keep the room environment calm and comfortable. Do regular yoga and exercise.

Everyone is wearing ear cuffs these days. Find out which design is best for you.

The ear cuff trend has rapidly emerged in the fashion world. They're perfect for women who want a stylish and unique look without piercing their ears. If you want to adorn your ears with stylish jewelry without piercing them, ear considered a trendy accessory, giving you and styles. There are many beautiful and can add charm and glamour to your look. enhance your style. A royal look in a have always been timeless. They're a style. These beautiful jewelry pieces add an peacock ear cuffs are especially perfect for or festive occasions, enhancing your style. ear cuffs are a popular choice these days, Dangling pearls, delicate chains, and They can be easily styled with a saree, a Banarasi or silk saree, they create a royal Glam in Pearls - Pearl ear cuffs capture and never go out of fashion. Their soft and cuffs are a favorite among college and office charm to every style. They look especially glamour to your look. Needle Cuffs for Indo-

cuffs are perfect for you. Currently, they're the freedom to experiment with different designs attractive designs available in the market that Ear cuffs can complement every outfit and peacock design: Ear cuffs with peacock designs favorite for their intricate carvings and royal elegant touch to your ethnic look. Stone-studded creating a glamorous and rich look for parties Jhalar for Bridals - Layered and tasseled jhalar giving the ears a full and eye-catching look. ghungroos enhance the beauty of any occasion. lehenga, or Indo-Western dress. Especially with touch, making them perfect for a bridal look. everyone's attention with their simple beauty classy look suits women of all ages. Pearl ear girls. From ethnic to western outfits, they add graceful with silk or chiffon sarees and add Westerns - Needle ear cuffs come in a thin needle-like design that fits easily into the ear. Their sleek and minimal styling makes them suitable for wearing with any outfit. They look especially attractive with Indo-Western looks. ulti-color, half-moon, and lotus designs are particularly popular. You can wear them with traditional outfits and add soft glamour to your look. Stand out with Jhumkis - If you want to look attractive in a simple kurti or saree, choose jhumki-designed ear cuffs. While they may look heavy, they are extremely comfortable. Designs like chain, multi-layer, or Kundan jhumki cuffs can give you different styles. They look gorgeous with a saree, while they will make you look attractive with a kurti. Kundan jhumki ear cuffs can make the bridal look even more grand with lehenga.

Tom Holland didn't like the initial version of "Spider-Man: Brand New Day"; he said, "I learned a lesson from that experience."

Tom Holland is currently in the news for his film "Spider-Man: Brand New Day." The film was released in India today, July 30th. Actor Tom Holland's film "Spider-Man: Brand New Day" has opened in Indian theaters. film, saying that he didn't like the impressed. He said that the team it differed significantly from the out the way we wanted." The film will However, it opened in theaters in India lengthy editing process for his fourth changes were made to the film based reconsidered their vision. According Holland said, "Interestingly, we saw where changes were made to the film seen it." The actor further explained result. "We saw the first cut and we he didn't like that version, the actor were asking for, but it wasn't what we experience that a film can change in Holland's comments offer a glimpse superhero film. It explains how reaches the audience. 'Reinforced the this experience reinforced the creative vision of the filmmakers. According to the actor, this experience reinforced the importance of balancing audience feedback with the creative vision of the filmmakers. The actor returns as Peter Parker in 'Spider-Man - Brand New Day', his fourth standalone Spider-Man film in the MCU.

Holland made an interesting revelation about the initial version. His co-stars were also not particularly didn't like the first cut of this MCU film at all because filmmakers' original vision. He said, "It didn't turn be released in theaters tomorrow, Friday, July 31st. a day earlier, today. Tom Holland spoke about the solo film as Peter Parker. He explained that some on audience feedback before the creative team to a report in Deadline, in a recent interview, Tom several different cuts of this film. There was one cut based on suggestions from different people who had that this experimentation did not yield the desired didn't like it at all," Holland said. Explaining why added, "It didn't work perfectly. It was what people wanted as creatives. But we learned from that a thousand different ways in the editing room." Tom into the post-production process of a major multiple edits can be tested before the final version importance of balance' - According to Tom Holland, importance of balancing audience feedback with the

"Aren't you ashamed? How rude you are?" Vikas Gupta's anger erupted in "Lockup 2" and he reprimanded Shilpa Shinde.

The show "Lockup 2" is witnessing a lot of drama. In the latest episode, Vikas Gupta reprimanded Shilpa Shinde. He even said, "You are no longer Shilpa Ji, you are Shilpa." In the last two episodes of "Lockup - Truth or Sazaa," contestants revealed their deepest secrets, leaving viewers emotional. However, immediately after, the show took a dramatic turn in the finale week. A heated argument broke out between "Bigg Boss 11" rivals, producer Vikas Gupta and actress Shilpa Shinde, in "Lockup 2." Why did Vikas Gupta reprimand Shilpa? Vikas Gupta recently appeared on the show as a visitor to Shilpa Shinde. Vikas Gupta expressed his displeasure with Shilpa Shinde upon entering the reality show. In fact, Vikas questioned Shilpa Shinde about her alleged offensive comment. Shilpa made these comments about fellow contestants Shivangi Joshi and Ram Kapoor. Shilpa also criticized her for talking about Shivangi's personal life and body-shaming Ram Kapoor. She said, "How rude you are." Upon approaching Shilpa, Vikas Gupta said, "Despite being your senior, you no longer deserve to be called 'Shilpa ji.'" Vikas told the actress, "Do you know how rude you are? What have you done? This girl (referring to Shivangi) is standing next to you. How many nasty things have you said about her? I mean, so rude!" Vikas said, "You spread so much negativity." He then mentioned Shilpa's comments about Ram Kapoor, saying, "They call you a senior artist. Do you know what I said about him? Would I sleep with that fat guy? Wasn't that meant to be a joke? Is that the kind of person you are?" No one can do anything about the negativity you spread. You're no longer Shilpa ji, you're just Shilpa. Remember that." What did Shilpa say about Shivangi? Vikas also questioned Shilpa about her alleged comments on the show about Shivangi Joshi's virginity. Asking her what she had said about the actress, Shilpa replied, "I said only what's out there." It's worth noting that after appearing on the show, Shilpa discussed Shivangi with Shreya Kalra. This included some details about Shivangi's personal life, including rumors about affairs and dating with co-stars. However, hosts Riteish Deshmukh and Farah Khan warned her on Judgment Day not to spread outside information. The show is streaming on Netflix.

The Kapoor family attended a prayer vigil for Aadar Jain's grandmother; Kareena's aunt, Reema, was seen hugging her brother, Randhir Kapoor.

A prayer vigil was held for Reema Kapoor's mother-in-law, Koshu Jain, today, July 30th. Several members of the Kapoor family attended to pay their respects. Koshu Jain, Reema Kapoor's mother-in-law and mother of renowned businessman Manoj Jain, passed away. The family shared the sad news of her passing on July 27th. A prayer vigil for Koshu Jain was held in Mumbai on July 30th. Many celebrities attended, including Kareena Kapoor's parents. Who was Koshu Jain? Koshu Jain was Aadar Jain and Armaan's grandmother. Reema Kapoor attended her mother-in-law's prayer vigil. Her son and daughter-in-law, Armaan and Anissa Jain, were seen offering support. Reema Kapoor was seen embracing her brother, Randhir Kapoor. Kareena Kapoor's parents also attended Koshu Jain's prayer vigil. Kareena's aunt, Reema, was seen embracing her brother and expressing her love. A video of Randhir Kapoor has surfaced, in which he is seen going to the prayer meeting in a wheelchair. Kareena Kapoor's mother Babita also reached there. Neetu Singh and Neela Devi also reached. Neetu Kapoor also attended the prayer meeting of Koshu Jain and paid tribute. Apart from these, Sanjay Kapoor also reached there with his wife. Shammi Kapoor's wife Neela Devi was also seen.